आया पंचकल्याणक महान,
श्री ऋषभ बनेंगे भगवान, आनन्द रस झरता है।
सर्वार्थ सिद्धि से प्रभु जब आयेंगे,
सुरपति गर्भ कल्याणक मनायेंगे,
नाचे गायें करें गुणगान, श्री ऋषभ बनेंगे भगवान।
आनन्द रस झरता है।।१।।

ऋषभ कुंवर का जन्म जब होएगा,
पाण्डुक शिला पर अभिषेक तब होएगा,
प्रभु धारेंगे तीन तीन ज्ञान, श्री ऋषभ बनेंगे भगवान।
आनन्द रस झरता है।।२।।

प्रभु जग की क्षण भंगुरता जानकर,
एक शुद्ध आतम उपादेय मानकर,
फिर धारेंगे मुनिपद महान, श्री ऋषभ बनेंगे भगवान।
आनन्द रस झरता है।।३।।

क्षायिक श्रेणी जब प्रभुजी चढेंगे,
क्षण में केवलज्ञान वरेंगे,
दिव्यध्वनि खिरेगी महान, श्री ऋषभ बनेंगे भगवान।
आनन्द रस झरता है।।४।।

प्रभु जब योग निरोध करेंगे,
मुक्तिपुरी का राज वरेंगे,
तब होगा आनन्द महान, श्री ऋषभ बनेंगे भगवान।
आनन्द रस झरता है।।५।।